98

Total No. of Printed Pages—3

3 SEM TDC EL HND 1

2016

(November)

ELECTIVE HINDI

Course : 301

(प्रयोगात्मक एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32 (Backlog) / 24 (2014 onwards)

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×8=8

(क) संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में मान्यता कब दी?

(ख) पारिभाषिक शब्द को अंग्रेजी में क्या कहते हैं?

(ग) पल्लवन की परिभाषा लिखिए।

(घ) पल्लवन का विपरीतार्थक क्या होगा?

(ङ) अनुवाद को अंग्रेजी में क्या कहते हैं?

(च) आशु अनुवाद किसे कहते हैं?

(छ) पत्र कितने प्रकार के होते हैं?

(ज) 'आलेखन' शब्द को दूसरे शब्दों में क्या कहते हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×8=32

(क) हिन्दी में तकनीकी शब्दावली के विकास पर प्रकाश डालिए।

(ख) कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति पर प्रकाश डालिए।

(ग) पल्लवन और संक्षेपण में क्या अंतर है?

(घ) पल्लवन, भावार्थ एवं व्याख्या से किस प्रकार अलग है? समझाइए।

(ङ) अनुवाद के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

(च) काव्यानुवाद से आपका क्या तात्पर्य है? यह अनुवाद कितना सफल माना जाता है?

(छ) पत्र-लेखन के महत्त्व को समझाइए।

(ज) सामाजिक पत्र से आप क्या समझते हैं? इसके विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

3. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति पर विस्तार से प्रकाश डालिए। 10

अथवा

विदेशों में हिन्दी की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

4. पल्लवन लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान दिया जाता है? विस्तार से समझाइए। 10

(Continued)

अथवा

'दुःख का मूल कारण संपत्ति है' विषय का पल्लवन कीजिए।

5. अनुवादक के अपेक्षित गुण क्या-क्या होते हैं? विस्तार से समझाइए। 10

अथवा

अनुवाद की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

6. मसौदा-लेखन की रूपरेखा पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

सरकारी पत्राचार के प्रकार्यों का उल्लेख करते हुए सरकारी पत्र के प्रमुख अंगों पर प्रकाश डालिए।

★★★